• कविताएं...

अन्नू का तोता

'बाबा, बाबा' बोला पोता,
'लाल, दुलारे तू क्यों रोता?'
'ला दो पिंजला, ला दो तोता
बला नहीं, बछ छोता-छोता।'
अन्नू जी ने गाना छोड़ा,
अन्नू जी ने खाना छोड़ा,
बाबा साहब से की कुट्टी
दादा से भी हो गई छुट्टी।
अन्नू जी का तोता आया
पिंजड़े में उसको बैठाया,
तनिक न तोते के मन भाया
पानी पिया, न दाना खाया!
'सीता-राम' न पट्ठू बोले
बंद न अपनी आंखें खोले,
चुमकारें या उसे चहेंटे-
चीख-चीखकर बोले 'टें-टें।'
अन्नू ने छोड़ी शैतानी
उसको हुई बड़ी हैरानी,
पानी पिए न दाना खाए
'राम' न बोले, बस चिल्लाए!
'कौन, कहां, तोते के पापा?
दद्दा होंगे इसके बाबा।'
'लाल दुलारे, वे हैं वन में,
इसीलिए दुख इसके मन में।'
अब न करूंगा मैं मनमानी
अन्नू की आंखों में पानी,
पिंजड़ा खोला, बोले, 'आ-आ,
बहुत सताया तुझको जा-जा।'

■ संत कुमार टंडन 'रसिक'

• चुटकुले...

एक व्यक्ति इलाज के लिए डॉक्टर के पास गया।
डॉक्टर : अगर भीड़-भाड़ से दूर रहेंगे तो जल्दी ठीक हो जाएंगे।
व्यक्ति : क्या करूं डॉक्टर साहब अपने पेशे से मजबूर हूं।
डॉक्टर : ऐसा क्या करते हैं आप?
व्यक्ति : जी दरअसल मैं जेबकतरा हूं।

डॉक्टर ने एक बुजुर्ग पेशेंट को न्यूरोलोजिस्ट को रेफर करते हुए कहा- बाबा एक बार दिमाग वाले डॉक्टर को दिखा लो...!!!
बुजुर्ग उठते हुए बोला- हमें तो लगा था कि आपके पास भी होगा...

• जानकारी...

वाइल्ड लाइफ सेफ हाईवे

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने मध्यप्रदेश में एक ऐसे हाईवे का निर्माण किया है, जिसमें वाहन चालकों की सुरक्षा के साथ-साथ वन्य जीवों की भी सुरक्षा को सुनिश्चित किया गया है। यह मध्यप्रदेश राज्य के भोपाल-जबलपुर नेशनल हाईवे पर नरसिंहपुर-जबलपुर मार्ग के वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व क्षेत्र में लगभग 2 किलोमीटर की सड़क पर 'टेबल टॉप रेड मार्किंग' तकनीक अपनाई गई है, जो अपने आप में वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए एक अनोखा कदम है।

जंगलों से गुजरते हाईवे पर खतरा क्यों बढ़ता है- अक्सर हम देखते हैं कि जंगलों के बीच से हाईवे गुजरते हैं जिसपर चलने वाले वाहनों की स्पीड काफी तेज होती है और वन्य जीव एक जगह से दूसरी जगह जाने के लिए उन्हीं हाईवे पर आ जाते हैं, जिससे दुर्घटना होने का खतरा रहता है और अक्सर दुर्घटना हो भी जाती है इसलिए वन्य जानवरों और वाहन चालकों की सुरक्षा के मद्देनजर इस हाईवे का निर्माण किया गया है।

इस हाईवे में क्या है खास- भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने नौरादेही अभ्यारण्य और टाइगर रिजर्व में पड़ने वाले नेशनल हाईवे के लगभग 2 किलोमीटर के डेंजर जोन के हिस्से में 'टेबल-टॉप' मार्किंग की है जो अपने आप में एक अनूठा कदम है। इस टेबल-टॉप मार्किंग में सड़क पर 5 mm मोटी लाल परत (Red Table Top) बिछाई गई है, जिससे तेज रफ्तार वाहन चालकों को यहां पहुंचते ही पता चल जाता है कि वे डेंजर जोन में प्रवेश कर चुके हैं। यहां मोटी परत होने से उनकी गाड़ी की रफ्तार अपने आप कम हो जाएगी, जिससे वाहन चालक दुर्घटना से खुद भी बच पाएंगे और उस इलाके से गुजरने वाले वन्यजीवों की भी जान बच जाएगी।

वाइट शोल्डर लाइन से क्या मदद मिलती है- भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने ने टेबल-टॉप मार्किंग के साथ-साथ सड़क के दोनों किनारों पर वाइट शोल्डर लाइन भी लगाई है जिससे वाहन चालकों को पता चल सकेगा कि पक्की सड़क का अंत कहां है और गाड़ी शोल्डर यानी कच्चा हिस्सा मिट्टी या घास वाले क्षेत्र में जाने से बच जाएगी।

25 अंडरपास से वन्यजीवों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित- भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों का कहना है कि इस हाईवे प्रोजेक्ट में सबसे बड़ी प्राथमिकता पर्यावरण संरक्षण और वन्यजीवों की सुरक्षित आवाजाही को दी गई है। इसी उद्देश्य से मार्ग पर लगभग 25 अंडरपास तैयार किए गए हैं ताकि अभयारण्य के जानवर बिना किसी बाधा के आसानी से सड़क के एक हिस्से से दूसरे हिस्से में जा सकें। ये अंडरपास खासतौर पर उन स्थानों पर बनाए गए हैं जहां जानवरों की आवाजाही सबसे ज्यादा होती है। हाईवे का वह हिस्सा जो नौरादेही अभयारण्य और वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व के पास से होकर गुजरता है पहले 'डेंजर जोन' के रूप में चिन्हित था. यह लगभग 12 किलोमीटर लंबा क्षेत्र है।

रंगों का परीलोक

गतांक से आगे...

नीली परी आसमान से उतरी और बोली, 'बच्चों, जानना चाहोगे कि असली खुशी कहाँ है?'

बच्चों ने हाँ में सिर हिलाया।

हरी परी ने मुस्कुराकर कहा, 'खुशी तब सबसे बड़ी होती है जब तुम उसे बाँटते हो। और दुख? वह सबसे छोटा हो जाता है जब सब मिलकर उसे उठाते हैं।'

सफेद परी ने अपने पंख फैलाए और समझाया, 'अगर तुम सब मिलकर कमल के साथ रहोगे, उसे हँसाओगे, गाओगे और प्यार दोगे, तो उसका दुख धीरे-धीरे उड़ जाएगा।'

अगले ही दिन बच्चों ने मिलकर योजना बनाई। सभी अपने सबसे सुंदर कपड़े पहनकर कमल के घर पहुँचे। कोई रंग-बिरंगे फूल लेकर आया, कोई पंछियों के गीत गाकर सुनाने लगा। कुछ बच्चों ने नृत्य किया, तो कुछ ने कहानियाँ सुनाईं।

कमल पहले तो थकी हुई थी, मगर धीरे-धीरे उसके चेहरे पर मुस्कान लौट आई। उसके आँसू हँसी में बदल गए। उसे लगा जैसे बीमारी की सारी थकान कहीं खो गई हो।

अगले ही दिन बच्चों ने मिलकर योजना बनाई। सभी अपने सबसे सुंदर कपड़े पहनकर कमल के घर पहुँचे। कोई रंग-बिरंगे फूल लेकर आया, कोई पंछियों के गीत गाकर सुनाने लगा। कुछ बच्चों ने नृत्य किया, तो कुछ ने कहानियाँ सुनाईं।

कमल पहले तो थकी हुई थी, मगर धीरे-धीरे उसके चेहरे पर मुस्कान लौट आई। उसके आँसू हँसी में बदल गए। उसे लगा जैसे बीमारी की सारी थकान कहीं खो गई हो...

परियाँ आसमान से यह दृश्य देख रही थीं और उनके पंखों से रंगीन रोशनी बरस रही थी। उस दिन बच्चों ने सच में सीखा कि खुशी बाँटने से बढ़ती है और दुख बाँटने से घटता है।

इस घटना के बाद गाँव ने हर साल 'खुशियों का त्योहार' मनाना शुरू किया। उस दिन हर बच्चा और बड़ा अपने सबसे रंग-बिरंगे कपड़े पहनता। फूलों की मालाएँ सजतीं, पंछियों की आवाजों से वातावरण गूँजता और बादल भी प्यारी-प्यारी बूँदें बरसाते।

सब लोग मिलकर नाचते, गाते और एक-दूसरे से गले मिलते। त्योहार का नियम था-उस दिन कोई अकेला नहीं रहेगा। अगर किसी के दिल में दुख है, तो सब मिलकर उसे दूर करेंगे। अगर कोई खुश है, तो उसकी खुशी सबके साथ बाँटी जाएगी।

परियाँ हर त्योहार पर आकर बच्चों को आशीर्वाद देतीं। नीली परी कहती,

'तुम्हारी मुस्कान से आसमान भी चमकता है।'

हरी परी कहती,

'तुम्हारे प्यार से धरती हरी-भरी रहती है।'

सफेद परी कहती,

'तुम्हारी मासूमियत से दुनिया उज्जवल बनती है।'

और सचमुच, उस गाँव की हँसी और प्यार पूरे संसार में फैल गया। यात्री जब उस गाँव से होकर गुजरते, तो कहते-'यहाँ के फूल ज्यादा खिले क्यों लगते हैं? यहाँ के पंछी इतनी मधुर आवाज में क्यों गाते हैं? यहाँ के लोग इतने खुश क्यों हैं?'

उत्तर हमेशा एक ही था- 'क्योंकि इस गाँव में दुख बाँटे जाते हैं और खुशियाँ फैलाई जाती हैं।'

■ कर्मजीत सिंह गठवाला

• रोचक...

अर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

अर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की दुनिया में एक बड़ा ही चौंकाने वाला ग्लोबल बदलाव हो रहा है। यूं तो ज्यादातर लोग मानते हैं कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की दौड़ में अमेरिका और चीन का दबदबा रहेगा लेकिन अब एक बिल्कुल अलग खिलाड़ी इस रेस में सामने आ रहा है। सऊदी अरब ने दुनिया का सबसे बड़ा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केंद्रित डेटा सेंटर इकोसिस्टम बनाने के लिए 6 बिलीयन डॉलर का मास्टर प्लान लॉन्च किया है। यह नए सर्वर फॉर्म फाइनेंशियल मॉडल, एलएलएम, रोबोटिक डाटा और ग्लोबल क्लाउड ऑपरेशन को प्रोसेस करेंगे। इसके बाद सऊदी अरब एक डिजिटल प्रोसेसिंग पावर हाउस बन जाएगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस डेटा सेंटर हजारों गीगावॉट बिजली की खपत करते हैं। सऊदी अरब का फायदा उसकी सस्ती और भरोसेमंद एनर्जी सप्लाई है. जिस तरफ दूसरे देश बढ़ती बिजली की लागत से जूझ रहे हैं सऊदी अरब काफी कम कीमत पर बड़े आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस क्लस्टर चला सकता है।

• हनी बैजर...

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने एक बार हनी बैजर को सबसे निडर जानवर का खिताब दिया था। यह बिना किसी झिझक के शेर, लकड़बग्घों, जंगली कुत्तों और जहरीले सांपों पर हमला कर देता है। अपने छोटे आकार के बावजूद भी हनी बैजर अक्सर अपने वजन से कई गुना ज्यादा वजन वाले जानवरों से लड़ते हैं। वे लकड़बग्घा या फिर तेंदुआ जैसे शिकारी को काटते हैं, पंजे मारते हैं और उन पर हमला करते हैं। उनकी ढीली और मोटी त्वचा उन्हें शिकारी के जबड़े में फंसने पर भी मुड़ने और वापस लड़ने में मदद करती है।